मेवाड़ विश्वविद्यालय में हुआ सात दिवसीय रावे ओरिएंटेशन का आरम्भ

जयपुर मिड-डे टाइम्स

चित्तौड़गढ़ (अमित कुमार चेचानी/छोटू)। मेवाड़ विवविद्यालय के कुलपति प्रो के.एस. राणा ने मृदा संरचना एवं मृदा स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान आकर्षित करते हुऐ क्षेत्रीय कृषकों से मेवाड़ विवविद्यालय को जोड़ने का आह्वान करते हुऐ कहा, कि वि.वि. के द्वार किसानों के लिये खुलने चाहिए तथा सरकार की तर्ज पर मृदा परीक्षण (मृदा जांच) सरकारी कीमत पर करनी चाहिए। हमारा मेवाड़ वि.वि. इस कार्य को प्रभावी तरीके से लागू करें ताकि कृषि विज्ञान का लाभ सीधे गरीब किसानों को मिल सके। मैं युवा वैज्ञानिकों से अपेक्षा करता हूं कि वह प्रयोगाला में कैद वैज्ञानिक बन कर न रहें। किसानों के बीच जायें। ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (बीएससी कृषि) के विद्यार्थियों को ग्रामीण क्षेत्रों में संस्थानों के अन्तर्गत कृषि कार्यों का जमीनी स्तर पे अनुभव प्राप्त करने हेतु आयोजित (रावे कार्यक्रम) विद्यार्थियों के कौल विकास कार्यक्रम को कुलपति सम्बोधित कर रहे थे। महाराणा प्रताप यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एवं टेक्नोलॉजी उदयपुर के कुलपति प्रो. एन.एस. राठौड़ ने रावे कार्यक्रम के चार 'टी' एवं पांच कॅम्पोनेन्ट के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुऐ कहा कि किसानों की कृषि से सम्बन्धित समस्याओं का निराकरण किसानों से मिलकर करना चाहिए। उन्होने उद्यमिता के बढ़ावे पर जोर दिया। इसी क्रम में प्रसार शिक्षा विस्तार निदेशक उदयपुर वि.वि. प्रो. एस. के. शर्मा ने रावे कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। तत्पचात् उपकुलपति श्री आनन्दवर्धन शुक्ल ने मृदा-प्रकार के अनुसार फसल के चयन के बारे में जानकारी साझा की। कार्यक्रम में रावे इन्चार्ज डॉ. नीलू जैन, डॉ. के.के. भाटी. डॉ. बृजो मीणा आदि उपस्थित रहे। मेवाड़ विश्वविद्यालय एवं महाराणा प्रताप यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एवं टेक्नोलॉजी के संयुक्त तत्वाधान में रावे (रूरल एग्रीकल्चर वर्क एक्सपीरिएंस) का आरम्भ मेवाड़ विवविद्यालय के कुलपति महोदय के प्रोफेसर के.एस.राणा एवं प्रो वीसी श्री आनन्दवर्धन शुक्ला द्वारा द्वीप प्रज्जवलित कर किया गया। कार्यक्रम के अन्त में मेवाड़ विश्वविद्यालय के कृषि संकाय के एसोसिएट डीन डॉ. गौतम सिंह धाकड़ ने अतिथियों का स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विजय कुमार यादव ने किया।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में हुआ सात दिवसीय रावे ओरिएंटेशन का आरम्भ

राजस्थान दर्शन

,चित्तौड़गढ़,(अमित कुमार चेचानी/छोटू)। मेवाड़ विवविद्यालय के कुलपति प्रो के.एस. राणा ने मृदा संरचना एवं मृदा स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान आकर्षित करते हुए क्षेत्रीय कृषकों से मेवाड़ विवविद्यालय को जोड़ने का आह्वान करते हुए कहा, कि वि.वि. के द्वार किसानों के लिये खुलने चाहिए तथा सरकार की तर्ज पर मृदा परीक्षण (मृदा जांच) सरकारी कीमत पर करनी चाहिए। हमारा मेवाड़ वि.वि. इस कार्य को प्रभावी तरीके से लागू करें ताकि कृषि विज्ञान का लाभ सीधे गरीब किसानों को मिल सके। मैं युवा वैज्ञानिकों से अपेक्षा करता हूं कि वह प्रयोगाला में कैद वैज्ञानिक बन कर न रहें। किसानों के बीच जायें।

ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (बीएससी कृषि) के विद्यार्थियों को ग्रामीण क्षेत्रों में संस्थानों के अन्तर्गत कृषि कार्यो का जमीनी स्तर पे अनुभव प्राप्त करने हेतु आयोजित (रावे कार्यक्रम) विद्यार्थियों के कौल विकास कार्यक्रम को कुलपति सम्बोधित कर रहे थे।

महाराणा प्रताप यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एवं टेक्नोलॉजी उदयपुर के कुलपति प्रो. एन.एस. राठौड़ ने रावे कार्यक्रम के चार 'टी' एवं पांच कॅम्पोनेन्ट के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि किसानों की कृषि से सम्बन्धित समस्याओं का निराकरण किसानों से मिलकर करना चाहिए। उन्होने उद्यमिता के बढ़ावे पर जोर दिया। इसी क्रम में प्रसार शिक्षा विस्तार निदेशक उदयपुर वि.वि. प्रो. एस. के. शर्मा ने रावे कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। तत्पचात् उपकुलपति श्री आनन्दवर्धन शुक्ल ने मृदा-प्रकार के अनुसार फसल के चयन के बारे में जानकारी साझा की।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में हुआ सात दिवसीय रावे ओरिएंटेशन का आरम्भ

चित्तौड़गढ़,(अमित कुमार चेचानी/छोटू)। मेवाड़ विवविद्यालय के कुलपति प्रो के.एस. राणा ने मृदा संरचना एवं मृदा स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान आकर्षित करते हुऐ क्षेत्रीय कृषकों से मेवाड़ विवविद्यालय को जोड़ने का आह्वान करते हुऐ कहा, कि वि.वि. के द्वार किसानों के लिये खुलने चाहिए तथा सरकार की तर्ज पर मृदा परीक्षण (मृदा जांच) सरकारी कीमत पर करनी चाहिए। हमारा मेवाड़ वि.वि. इस कार्य को प्रभावी तरीके से लागू करें ताकि कृषि विज्ञान का लाभ सीधे गरीब किसानों को मिल सके। मैं युवा वैज्ञानिकों से अपेक्षा करता हूं कि वह प्रयोगााला में कैद वैज्ञानिक बन कर न रहें। किसानों के बीच जायें। ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (बीएससी कृषि) के विद्यार्थियों को ग्रामीण क्षेत्रों में संस्थानों के अन्तर्गत कृषि कार्यों का जमीनी स्तर पे अनुभव प्राप्त करने हेतु आयोजित (रावे कार्यक्रम) विद्यार्थियों के कौाल विकास कार्यक्रम को कुलपति सम्बोधित कर रहे थे। महाराणा प्रताप यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एवं टेक्नोलॉजी उदयपुर के कुलपति प्रो. एन.एस. राठौड़ ने रावे कार्यक्रम के चार 'टी' एवं पांच कॅम्पोनेन्ट के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुऐ कहा कि किसानों की कृषि से सम्बन्धित समस्याओं का निराकरण किसानों से मिलकर करना चाहिए। उन्होने उद्यमिता के बढ़ावे पर जोर दिया। इसी क्रम में प्रसार शिक्षा विस्तार निदेशक उदयपुर वि.वि. प्रो. एस. के. शर्मा ने रावे कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। तत्पचात् उपकुलपति श्री आनन्दवर्धन शुक्ल ने मृदा-प्रकार के अनुसार फसल के चयन के बारे में जानकारी साझा की। कार्यक्रम में रावे इन्चार्ज डॉ. नीलू जैन, डॉ. के.के. भाटी. डॉ. बृजो मीणा आदि उपस्थित रहे। मेवाड़ विश्वविद्यालय एवं महाराणा प्रताप यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एवं टेक्नोलॉजी के संयुक्त तत्वाधान में रावे (रूरल एग्रीकल्चर वर्क एक्सपीरिएंस) का आरम्भ मेवाड़ विवविद्यालय के कुलपति महोदय के प्रोफेसर के.एस.राणा एवं प्रो वीसी श्री आनन्दवर्धन शुक्ला द्वारा द्वीप प्रज्जवलित कर किया गया। कार्यक्रम के अन्त में मेवाड़ विश्वविद्यालय के कृषि संकाय के एसोसिएट डीन डॉ. गौतम सिंह धाकड़ ने अतिथियों का स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विजय कुमार यादव ने किया।

किसानों के लिए खुले विश्वविद्यालय के द्वार

मेवाड़ विश्वविद्यालय में सात दिवसीय रावे ओरिएंटेशन शुरू

चित्तौड़गढ़. मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो के.एस. राणा ने मृदा संरचना एवं मृदा स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के द्वार किसानों के लिए खुलने चाहिए तथा सरकार की तर्ज पर मृदा परीक्षण (मृदा जांच) सरकारी कीमत पर करनी चाहिए। हमारा मेवाड़ वि.वि. इस कार्य को प्रभावी तरीके से लागू करें ताकि कृषि विज्ञान का लाभ सीधे गरीब किसानों को मिल सके।

ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (बीएससी कृषि) के विद्यार्थियों को ग्रामीण क्षेत्रों में संस्थानों के अन्तर्गत कृषि कार्यों का जमीनी स्तर पे अनुभव प्राप्त करने के लिए आयोजित (रावे कार्यक्रम) विद्यार्थियों के कौशल विकास कार्यक्रम को कुलपति सम्बोधित कर रहे थे। महाराणा प्रताप यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एवं टेक्नोलॉजी उदयपुर के कुलपति प्रो. एन.एस. राठौड़ ने चार 'टी' एवं पांच कॅम्पोनेन्ट के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होने कहा कि किसानों की कृषि से सम्बन्धित समस्याओं का निराकरण किसानों से मिलकर करना चाहिए। उन्होने उद्यमिता के बढ़ावे पर जोर दिया।

प्रसार शिक्षा विस्तार निदेशक उदयपुर वि.वि. प्रो. एस. के. शर्मा ने रावे कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। तत्पष्चात् उपकुलपति आनन्दवर्धन शुक्ल ने मृदा-प्रकार के अनुसार फसल के चयन के बारे में जानकारी साझा की। कार्यक्रम में रावे इन्चार्ज डॉ. नीलू जैन, डॉ. के.के. भाटी. डॉ. बृजेष मीणा आदि उपस्थित रहे। अन्त में मेवाड़ विश्वविद्यालय के कृषि संकाय के एसोसिएट डीन डॉ. गौतम सिंह धाकड़ ने स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन डॉ. विजय कुमार यादव ने किया।